

हरिभूमि सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, रविवार 30 अगस्त 2026

खबर संक्षेप

तामसपुरा-हड़ोली रोड पर नशा तस्क़र को दबोचा

फतेहाबाद। अपराध जांच शाखा रतिया पुलिस ने एक युवक को डोडा पोस्ट सहित काबू किया है। आरोपी की पहचान प्रगट सिंह पुत्र ग्रीतम सिंह निवासी गांव तामसपुरा के रूप में हुई है। अपराध जांच शाखा रतिया प्रभारी उप निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस टीम नशीले पदार्थों की रोकथाम को लेकर गांव रत्ताखेड़ा क्षेत्र में गश्त पर मौजूद थी। इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि प्रगट सिंह डोडा पोस्ट बेचने का काम करता है और वह तामसपुरा से हड़ोली रोड स्थित नहर पुल के पास नशीले पदार्थ के साथ मौजूद है। पुलिस टीम ने तुरंत संबंधित स्थान पर दबिश दी।

जनरल स्टोर से चोरी का आरोपी किया गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने गांव दड़बा कलां में जनरल स्टोर में हुई चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान तुफान निवासी दड़बा कलां, जिला सिरसा के रूप में हुई है। एबीटी स्टाफ प्रभारी ने बताया कि दड़बा कलां निवासी धर्मपाल ने पुलिस को शिकायत में बताया था कि वह बीती 25 अगस्त को दोपहर अपनी जनरल स्टोर की दुकान बंद कर किसी काम से शहर सिरसा चला गया था। शाम को वापस दुकान पर पहुंचा तो दुकान के ताले टूटे हुए मिले। दुकान के अंदर जाकर सामान की जांच की तो गल्ले में रखी करीब 15 हजार रुपए की नकदी गायब मिली। शिकायत के आधार पर थाना नाथूसरी चौपटा पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ चोरी का मामला दर्जकर जांच शुरू की।

शहर में पिछले कई दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल फतेहाबाद में सफाईकर्मियों और पुलिस में हुआ तीखा टकराव, 40 हिरासत में लिए

शहर में जगह-जगह जमा कचरे के बीच प्रशासन ने डंपिंग पॉइंट से कचरा उठाने की कार्रवाई शुरू की

डंपिंग पॉइंट पर कचरा उठाने पहुंची पुलिस का हड़ताली कर्मचारियों ने किया विरोध, महिला कर्मचारियों ने सड़क पर लेटकर रोका रास्ताफतेहाबाद। शहर में पिछले कई दिनों से चल रही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार शाम उस समय टकराव में बदल गई, जब भूना रोड स्थित मुख्य डंपिंग पॉइंट पर कचरा उठाने को लेकर पुलिस और हड़ताली सफाई कर्मचारी आमने-सामने आ गए। शहर में जगह-जगह जमा कचरे के बीच प्रशासन ने डंपिंग पॉइंट से कचरा उठाने की कार्रवाई शुरू की। इसकी सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया। पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करने के लिए बल प्रयोग किया और करीब 40 सफाई कर्मचारियों को हिरासत में लेकर पुलिस लाइन पहुंचाया। कचरा उठाने पहुंची पुलिस टीम, कर्मचारियों ने घेरा डंपिंग पॉइंटशनिवार शाम पुलिस की टीम भूना रोड स्थित शहर के



फतेहाबाद। सड़क पर पुलिस और सफाईकर्मियों के बीच होता टकराव।

डंपिंग पॉइंट पर हुई कार्रवाई से गहराया विवाद

प्रशासन के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक तरफ हड़ताली कर्मचारियों की मांगों का समाधान निकालना है, वहीं दूसरी तरफ शहर से जमा कचरा उठाकर सफाई व्यवस्था बहाल करनी है। शनिवार को डंपिंग पॉइंट पर हुई कार्रवाई ने विवाद को और गंभीर बना दिया है। कार्रवाई के बाद बढ़ा तनाव, आगे की रणनीति पर नजरकरीब 40 कर्मचारियों को हिरासत में लिए जाने के बाद सफाई कर्मचारी संगठनों में भी नाराजगी है। आंदोलन से जुड़े कर्मचारियों का कहना है कि वे पुलिस कार्रवाई का विरोध करेंगे और अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखेंगे। दूसरी ओर प्रशासन के सामने शहर में सफाई व्यवस्था बहाल करने की चुनौती बनी हुई है। शनिवार की घटना के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि प्रशासन और सफाई कर्मचारी संगठनों के बीच बातचीत से कोई समाधान निकलता है या टकराव आगे भी जारी रहता है।

मुख्य डंपिंग पॉइंट पर पहुंची। प्रशासन की ओर से यहां जमा कचरे को उठाने की कार्रवाई शुरू की जानी थी। हड़ताल के कारण शहर में सफाई व्यवस्था प्रभावित है और कई स्थानों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं। ऐसे में प्रशासन द्वारा कचरा उठाने की कोशिश की गई। इसकी भनक लगते ही हड़ताल कर रहे सफाई कर्मचारी भी बड़ी संख्या में डंपिंग पॉइंट पर पहुंच गए। कर्मचारियों ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करते हुए कचरा उठाने से रोकने का प्रयास किया।



फोटो : हरिभूमि

विरोध बढ़ता देख पुलिस ने मौके पर कार्रवाई की शुरू

पुलिस ने बल प्रयोग कर करीब 40 कर्मचारियों को हिरासत में लिया। विरोध बढ़ता देख पुलिस ने मौके पर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों को वहां से हटाने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और सफाई कर्मचारियों के बीच धक्का-मुक्की और तीखी बहस की स्थिति भी बनी। पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए करीब 40 सफाई कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया। हिरासत में लिए गए कर्मचारियों को बाद में पुलिस लाइन ले जाया गया। पुलिस कार्रवाई के बाद सफाई कर्मचारियों में रोष और बढ़ गया। कर्मचारियों का कहना है कि वे अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे, लेकिन प्रशासन ने उनकी बात सुनने के बजाय कार्रवाई का रास्ता अपनाया। वहीं प्रशासन की ओर से शहर में बिगड़ती सफाई व्यवस्था को देखते हुए कचरा उठाने की कार्रवाई को जरूरी माना जा रहा है। कई दिनों से चल रही हड़ताल से बिगड़ी शहर की सफाई व्यवस्थासफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण फतेहाबाद शहर में सफाई व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है।

रास्ता रोकने के लिए सड़क पर लेटकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कचरा उठाने की कार्रवाई रोकने की मांग की। पुलिस कर्मचारियों को वहां से हटाने का प्रयास करती रही, लेकिन महिला कर्मचारी अपनी जगह से हटने को तैयार नहीं हुईं। इसी दौरान एक महिला कर्मचारी बेहद भावुक और आक्रोशित नजर आईं। उसने पुलिसकर्मियों के सामने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, रहमें

गोली मार दो। महिला कर्मचारी के इस बयान के बाद मौके पर माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों में पुलिस कार्रवाई को लेकर रोष दिखाई दिया। मुख्य सड़कों से लेकर गलियों और बाजारों तक कई स्थानों पर कचरे के ढेर जमा हैं। डंपिंग पॉइंट पर भी बड़ी मात्रा में कचरा एकत्रित हो चुका है। लंबे समय से कचरा उठान नहीं होने के कारण शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।



सिरसा। कचरा उठाने के दौरान पुलिस और कर्मचारियों के बीच होती खींचतान।

कूड़ा उठाने को लेकर तनाव, गाड़ियों के आगे अड़े कर्मचारी, 20 हिरासत में

■ टायरों की हवा निकाली, चेयरमैन कार्यालय के आगे डाला कूड़ा

हरिभूमि न्यूज

सफाई कर्मचारियों और पुलिस के बीच शनिवार को कूड़ा उठाने की कार्रवाई के दौरान तनावनी हो गई। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने कचरा उठाने में लगी जेसीबी और ट्रैक्टरों को रोकने का प्रयास किया और वाहनों के टायरों की हवा निकाल दी। गुस्साए कर्मचारियों ने नगर परिषद चेयरमैन कार्यालय के आगे भी कचरा डाल दिया। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने मोर्चा संभाला और करीब 20 प्रदर्शनकारी कर्मचारियों को हिरासत में लिया। प्रशासन की ओर से सुबह जेसीबी, ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों के माध्यम से डंपिंग प्वाइंटों से कचरा उठाने की कार्रवाई शुरू की गई। जैसे ही कर्मचारी कूड़ा उठाने के लिए पहुंचे, आंदोलनरत सफाई कर्मचारियों ने इसका विरोध शुरू कर दिया। कई कर्मचारी कचरा उठाने वाली गाड़ियों के आगे अड़ गए और उन्हें आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया। कूड़ा उठाने को



सिरसा। चेयरमैन कार्यालय के आगे डाला गया कूड़ा।

फोटो : हरिभूमि
लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक तनाव बना रहा। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध करते हुए नारेबाजी की। आरोप है कि कर्मचारियों पर पत्थर भी फेंके जिससे सफाई अभियान बाधित हुआ। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रास्ते से हटाने का प्रयास किया तो दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बन गई। इस दौरान एक प्रदर्शनकारी सफाई कर्मचारी के सिर में चोट लगी। आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजी जिस दौरान वह चपेट में आ गया। स्थिति को नियंत्रित करते हुए पुलिस ने करीब 20 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

TATA की पेशकश

TANISHQ x DB DE BEERS GROUP For Natural Diamonds

TANISHQ

Festival Of Diamonds

नेचुरल डायमंड्स से सजी मनमोहक डिज़ाइन, जो आपकी चमक को सबसे अलग बनाएँ

फ्लैट 20% छूट

10,000+ डिज़ाइन्स में डायमंड की कीमत पर*

0% कदौती*

डायमंड ज्वेलरी खरीदने पर 9 कैप्ट मित्रते कम के पुराने सोने के एक्सचेंज पर।

Talk to our jewellery expert to know more 1800 2966 677

Buy online at tanishq.co.in

or Download our App *Conditions apply, For T&C visit our website.

नया शोरूम : तनिष्क, बस स्टैंड के पास, हिसार रोड, सिरसा टेली. : 86077-80000

निवेश से पहले समझें कौन सा प्लान सबसे बेहतर

न्यूचुअल फंड निवेश में एक्सपेंस रेटियो का महत्व इसलिए बढ़ जाता है, क्योंकि निवेश लंबे समय के लिए किया जाता है। यदि दो समान योजनाओं में से एक में खर्च लगातार थोड़ा अधिक है, तो कई वर्षों में इसका असर निवेश के कुल मूल्य पर पड़ सकता है। इसीलिए निवेशक को केवल पिछले रिटर्न को देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। उसे एक्सपेंस रेटियो, फंड का प्रदर्शन, जोखिम, निवेश का उद्देश्य और अपने निवेश की अवधि जैसे पहलुओं को भी देखना चाहिए।

बिजनेस डेस्क

म्यू चुअल फंड में निवेश का फैसला करते समय केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कौन सा फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि वह डायरेक्ट प्लान में निवेश कर रहा है या रेगुलर प्लान में। दोनों विकल्पों में अमतौर पर एक ही म्यूचुअल फंड स्कीम और एक ही फंड मैनेजर के जरिए निवेश किया जाता है, लेकिन दोनों की लागत संरचना अलग होती है। यही अंतर लंबी अवधि में निवेश के रिटर्न पर असर डाल सकता है। निवेशक के लिए सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान में अंतर क्या है और इनमें से कौन सा विकल्प उसके लिए बेहतर है। इसका जवाब हर निवेशक के लिए एक जैसा नहीं हो सकता। यदि निवेशक खुद फंड की रिसर्च कर सकता है और अपने पोर्टफोलियो को संभालने में सक्षम है तो डायरेक्ट प्लान कम लागत वाला विकल्प हो सकता है। वहीं नए या ऐसे निवेशक जिन्हें फंड चुनने और निवेश प्रबंधन में मदद चाहिए, उनके लिए रेगुलर प्लान उपयोगी हो सकता है।



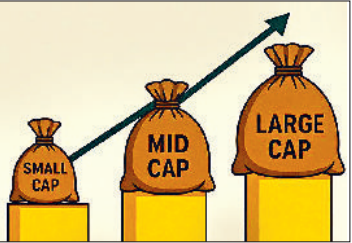
रेगुलर प्लान में निवेशक म्यूचुअल फंड कंपनी यानी एएससी तक सीधे नहीं पहुंचता। वह बैंक, म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर, ब्रोकर या वित्तीय सलाहकार के माध्यम से निवेश करता है। निवेश प्रक्रिया पूरी करने के साथ-साथ डिस्ट्रीब्यूटर निवेशक को फंड चुनने, कागजी प्राप्ति और निवेश से जुड़ी दूसरी सेवाओं से भी मदद कर सकता है। इसी सेवा को लागत भी होती है। म्यूचुअल फंड कंपनी डिस्ट्रीब्यूटर को कमीशन देती है और यह खर्च फंड के एकाग्रण से रेटियों में शामिल होता है। इसलिए आमतर पर रेगुलर प्लान का एएसएसपेक्ट रेटियों की पक्की के डायरेक्ट प्लान की तुलना में अधिक होता है।

- » रेगुलर प्लान ऐसे निवेशकों के लिए उपयोगी हो सकता है जिन्हें निवेश की जानकारी सीमित है या जो फंड चुनने और पोर्टफोलियो संभालने में विशेषज्ञ की मदद चाहते हैं।
- » निवेशक के लिए कई बार सही फंड चुनना, जोखिम का आकलन करना, निवेश की अवधि तय करना और पोर्टफोलियो में बदलाव करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। ऐसे में डिस्ट्रीब्यूटर की सहायता सुविधा प्रदान कर सकती है। हालाँकि निवेशक को यह भी समझना चाहिए कि इस सुविधा की लागत फंड के खर्च में शामिल होती है।

डायवर्सक प्लानया रेगुलर प्लान चुनने से पहले निवेशक को अपनी वित्तीय स्थिति और जानकारी का आकलन करना चाहिए। केवल वह सोचकर डायवर्सक प्लान चुनना उचित नहीं है कि उसका एसएसएस रेटियो कम है। इसी तरह केवल सुविधा के लिए रेगुलर प्लान लेना भी जरूरी नहीं है। निवेशक को यह देखना चाहिए कि वह कितने समय के लिए निवेश कर रहा है, कितना जोखिम उठा सकता है, फंड की लागत कितनी है और क्या वह अपने निवेश की निगरानी खुद कर सकता है।

डायरेक्ट प्लान और रेगुलर प्लान के बीच चुनाव व्यक्तिगत जरूरत पर निर्भर करता है। डायरेक्ट प्लान में कम लागत का फायदा मिल सकता है, जबकि रेगुलर प्लान में डिस्ट्रिब्यूटर की सहायता और सुविधा मिलती है। दोनों में निवेश का बाजार जोखिम बना रहता है। इसलिए निवेश करने से पहले केवल प्लान का नाम देखकर फैसला न करें। फंड के उद्देश्य, जोखिम, एक्सपेंस रेटियो, पिछला प्रदर्शन, निवेश अवधि और अपनी वित्तीय जरूरतों को समझना जरूरी है। जरूरत पड़ने पर योग्य वित्तीय सलाहकार से सलाह लेकर ही निवेश का निर्णय लेना बेहतर है।

लार्ज, मिड या स्मॉल कैप कहां बनेगा बड़ा फंड

**बिजनेस डेस्क**

हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी शुरू करने वाले निवेशक, जिसमें सबसे बड़ा साला होना है कि ऐसा लार्ज, मिड या स्मॉल कैप फंड में हो सकता है। तीनों कैटेगरी में जोखिम और रिस्क के संभावना अलग अलग हैं। इसलिए फंड के फॉर्मल एक साल के रिस्क को देखकर निवेशक फंड में एसआईपी करना चाहें। इन्वैस्टमेंट फंड में निवेश का फायदा लंबी अवधि तक के लिए मिल सकता है, जब निवेशक लंबी अवधि तक बाजार में बना रहें और उतार-चढ़ाव को देखते हुए बाजार पर एसआईपी बंद न करें। पहले समझिए कि कैटेगरी में अंतर है या नहीं। अक्सर फंड ऑफिसर लार्ज कैप फंड में निवेश रूप से बाजार पूंजीकरण के आधार पर निवेश की शीर्ष 200 कंपनियों में निवेश करते हैं। 100वीं से 250वीं रैंक वाली कंपनियां मिडकैप और निवेश के बाद की कंपनियां स्मॉल कैप श्रेणी में आती हैं। लार्ज कैप कंपनियां आकार में बड़ी और स्थिरता होती हैं। इसलिए इनके कारोबार में अपेक्षाकृत स्थिरता देखने को मिल सकती है। हालांकि इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि लार्ज कैप फंड सुरक्षित हैं जो निवेश-सुरक्षित हैं। शेयर बाजार में बड़ी विराट और अपेक्षा में भी निवेशक हो सकता है। मिड कैप कंपनियां आकार में लार्ज कैप से छोटी होती हैं, लेकिन इनमें कारोबार तेजी से बढ़ने की संभावना हो सकती है। इसी वजह से इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी अधिक हो सकता है।

आज कोई निवेशक पहली बार इन्विटि
म्यूचुअल फंड में एसआरटीए शुरू कर रहा है।
अगर बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं चाहता, तो
लॉन्ग टर्म कैप फंड अपेक्षाकृत आसान शुरुआत हो
सकते हैं। बड़ी कंपनियाँ के पास आम तौर पर
लंबा कारोबारी ट्रैक रिकॉर्ड और मजबूत
कारोबार होता है। फिर भी निवेशक को यह
समझना चाहिए कि लार्ज कैप का मतलब
गारंटीड रिटर्न नहीं है। बाजार में 15-20% की
वोलैटिलिटी आती है तो लार्ज फंड भी नीचे जा सकते
हैं। अन्तर केवल इतना है कि मिड कैप और
स्मॉल कैप की तुलना में उतार-चढ़ाव कई बार
कम हो सकता है।

5,000 रुपये को मासिक पसआईपी 15 साल तक जाना रखने पर कुल निवेश 9 लाख रुपये होगा। उदाहरण के लिए, पिछले 15 वर्षों के औसत सालाना रिटर्न को आधार मानकर 14% केप के लिए रिटर्न 11.9%, सिंग केप के लिए 17.2% और स्मॉल केप के लिए 14.7% रिटर्न माना जा सकता है। इसलिए, अलग-अलग केटेगरी में निवेश से रखन अलग बन सकती है। उपरोक्त अनुमान में 2,500 लॉन्ग केप, 1,500 मिड केप और 1,000 रुपये स्मॉल केप में लगाने पर ऐतिहासिक औसत रिटर्न को सिंग उदाहरण के तौर पर इस्तेमाल करने पर 15 साल में केप की कुल 28.7 लाख का फंड बन सकता है। इस लगभग 9 लाख मूल निवेश और करीब 19.7 लाख का अनुमानित लाभ शामिल होगा। हालाँकि यह सिर्फ अपेक्षित अनुमान है। बाजार का वास्तविक रिटर्न हमें हर साल अलग हो सकता है और भविष्य में यही रिटर्न दोहराना जाएगा, इसकी कोई गारंटी नहीं है।

बेजनेस डेस्क

समय से पहले एफडी बंद करने का सबसे बड़ा
असर मिलने वाले ब्याज पर पड़ सकता है। एफडी
बनाने लगने जितने ब्याज दर का निर्धारण किया
गया था, जरूरी नहीं कि समय से पहले एफडी बंद
करने पर उसी दर से ब्याज मिले। बैंक अमतौर पर
उस अवधि के आधार पर ब्याज की गणना
कर सकता है, जितने समय तक रकम वास्तव में
एफडी में बना रही है। इसके अलावा समयपूर्व
निकासी का शुल्क भी लगाया जा सकता है।
उदाहरण के लिए, यदि आपने पांच साल के लिए
एफडी करवाई थी, लेकिन दो साल बाद ही उसे बंद
कर दिया, तो आपको पांच साल की तय ब्याज दर
का पूरा लाभ नहीं मिल सकता।

एफडी से मिलने वाला ब्याज आपकी आय का हिस्सा माना जाता है और उस पर लागू आयकर निर्गमों के अनुसार कर देवदारों बका सकती है। इन्वेलिप समय से पहले एफडी बंद करने का फैसला करते समय केवल थ्रूथ नॉट और ब्याज में होने वाले नुकसान पर ही ध्यान न दें। यह भी देखें कि एफडी से अब तक कितना ब्याज अर्जित हुआ है और उस पर आपकी कर देवदारों कितनी बका सकती है। अलग-अलग निवेशकों को कर स्थिति अलग हो सकती है।



अगर आपको थोड़े समय के लिए पैसों की जरूरत है तो पूरी एकपड़ी बंद करवा हमेशा जरूरी नहीं है। अपने पैसों से यह पता लगा जा सकता है कि एकपड़ी के बदले कर्ज या अधिर्कषण की सुविधा उपलब्ध है या नहीं। इस व्यवस्था में एकपड़ी को जारी रखते हुए उसकी जमानत के आधार पर जरूरत की रकम प्राप्त की जा सकती है। इससे एकपड़ी पूरी तरह बंद करने से होने वाले ब्याज के नुकसान से बचने का मौका मिल सकता है। हालांकि, इस विकल्प में बैंक कर्ज पर ब्याज और अन्य शुल्क ले सकता है।

अगर आपको एफडी में जमा पूरी रकम की जरूरत नहीं है तो पहले यह पता करें कि आपका

पैसों की जरूरत में एफडी बंद करना जरूरी नहीं, घटेगी ब्याज की रकम

वै क की साधवि जमा याथी एफडी को सुरक्षित निवेश का साधन माना जाता है। यहाँ जगह है कि बड़ी संख्या में लोग अपनी बचत को निश्चित अवधि के लिए एफडी में करना करते हैं। लेकिन कई बार अचानक पैसों की जरूरत पड़ जाती है और निवेशकों को एफडी की अवधि पूरी होने से पहले ही रकम निकालने का फैसला करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में एफडी को खोलने से पहले बंद करना संभव है, लेकिन इसके कुछ आर्थिक मुकसान भी हो सकते हैं। एफडी शुरू करते समय बैंक एक निश्चित अवधि और ब्याज दर तय करता है। यदि निवेशक उस अवधि के पूरा होने से पहले एफडी बंद करता है तो जरूरी नहीं है कि उसे शुर्तुआ में तय ब्याज दर का पूरा लाभ मिलेगा। बैंक के नियमों के अनुसार ब्याज में कटौती भी जा सकती है और कुछ मामलों में समय से पहले एफडी बंद करने का शुल्क भी लगाया जा सकता है। इसलिए जल्दबाजी में एफडी तोड़ने के बजाय पहले इन पांच जरूरी बातों को समझ लेना चाहिए

1. समय से पहले एफडी बंद कर पलग सकता है शुल्क

सबसे पहले अपने बैंक के नियमों की जानकारी लें। एफडी की तय अवधि पूरी होने से पहले पैसा निकालने पर बैंक समय-पूरि निकासी शुल्क या जुर्माना लगा सकता है। यह शुल्क बैंक, एफडी या अवधि और जमा की गई रकम के अनुसार अलग-अलग हो सकता है। इसलिए एफडी बंद करने से पहले बैंक से यह ज्ञात कराएं कि शुल्क के रूप में कितनी राकम कटायी जाएगी और एफडी बंद करने के बाद आपकी खाते में प्रतिवर्तविक रूप से कितनी राशि आएगी।

त्योहारों पर आसान किस्त
और छूट के प्रस्ताव बढ़ेंगे



योंधारों का मौसम शुरू होते ही बाजार और ऑनलाइन बाजारों में पंजीकृत और तटस्थ-टहल के आकर्षक और ओपन एंड प्रोड्यूसर हैं। मोबाइल, टीवी, फ़िज, वॉशिंग मशीन से लेकर कर्माचार और दूसरे महंगे सामान पर भारी छूट के साथ असाधारण मार्केट किस्मों के प्रस्ताव बाहकों को खरीदारों के लिए आकर्षित करते हैं। इनमें नो-कोस्ट ईमेल, या बिना व्याज वाली किस्म का प्रस्ताव सबसे उभरता मुनामा है। बाहक को लगता है कि महंगे सामान बिना अतिरिक्त व्याज के छोटे-छोटे मुनामों में खरीदा जा सकता है। लेकिन योंधारों को खरीदारों में इस तरह के प्रस्ताव को देखकर तुरंत फैसला करना समझदार नहीं है। नो-कोस्ट का मतलब वह जरूरी नहीं कि खरीदार को से जुड़ी कोई लागत नहीं होनी होगी। कई मामलों में प्रस्तावण शुल्क, कर, छूटी हुई तत्काल छूट, समय-समय पर महले कर्ज बंद करके का शुल्क या देर से मुनामा न मिलना मुनामों बाहक को कुल लागत बढ़ा सकता है। अलग-अलग नज्द और अज़्दादा अपनी अलग शर्तें रखते हैं। अमसल, 2026 में बैंकों की प्रकाशित शुल्क तालिकाओं के अनुसार सुविधा के लिए प्रस्तावण शुल्क और समय-समय पर मुनामा शुल्क के अलग-अलग प्राधान्य दिखाइए देंगे। इसलिए इस योंधारों मौसम में खरीदारी से पहले केवल मार्केट किस्मों नहीं, बल्कि कुल मुनामा पर नजर रखना जरूरी है।

पहले तय करें, सामान की जरूरत है या नहीं
 रीत्यहारों में सबसे बड़ी गलती यही होती है कि वाहक की जरूरत से ज्यादा खरीदारी कर लेता है। इतनी बड़ी खरीद दोबारा नहीं मिलेगी। इसकी कम कीमत से सामान मिल रहा है। जैसी सोच खरीदारी का फैसला प्रभावित कर सकती है। इससे बचने का आसान तरीका यह है कि बाजार जाने या ऑनलाइन खरीदारी शुरू करने से पहले जरूरी सामान की सूची बना लें। जो सामान पहले से खरीदने की योजना में नहीं था, उसे केवल खरीद या क्रिस्ट के प्रस्ताव के कारण खरीदने से बचें। याद रखें, जिस सामान की जरूरत नहीं है, उस पर मिलने वाली बड़ी छूट भी वास्तव में बर्बाद नहीं है। उदा., उसका मासिक क्रिस्ट आपको आने वाले महीनों के बचत को प्रभावित कर सकती है।

किस्त लोन से पहले बैंक या वित्तीय संस्था से यह जरूरी पूछें कि प्रसंस्करण शुल्क कितना है। यह एक निश्चित रकम हो सकती है या खरीदारी की रकम के आधार पर तय हो सकती है। इस पर लागू कर की जानकारी भी लें। कुछ बैंकों की 2026 की शर्तों में किस्त सुविधा पर न्यूनतम रकम या लेनदेन के प्रतिशत के आधार पर प्रसंस्करण शुल्क निर्धारित है। इसलिए हर 'नो-कोस्ट' प्रस्ताव की वास्तविक लागत अलग हो सकती है।

लेहला आँफर का फायदा उठाना गलत नहीं है। लेकिन छूट का मतलब बचत नहीं है। एक खरीदारी को आपके बजट के भीतर हो। खरीदारी की रकम पहले से तय करें और उसी सीमा में सामान खरीदें। अगर कोई सामान ज़रूरत का है और उस पर वास्तविक छूट मिल रही है, किसी की कुल लागत स्पष्ट है और मासिक भुगतान आसानी से किया जा सकता है तो प्रस्ताव पर 'विचार' किया जा सकता है। केवल 'आज का ऑफर' 'सीमित समय की छूट' या 'हिलाने' आदि की किस्ता-देखकर ज्यादा खर्च करना आर्थिक दबाव बढ़ाता है।

- पहला, सामान का नकद कांमत और किस्त में फुल भुगतान किस्ता है।
- दूसरा, तत्काल छूट छोड़ने पर आपको कितना नुकसान हो रहा है।
- तीसरा, प्रसंस्करण शुल्क और उस पर लगने वाले कर कितने हैं।
- चौथा, समय से पहले किस्त बंद करने पर कोई शुल्क लगेगा या नहीं।
- पांचवां, देर से भुगतान का स्थिति में कितना अतिरिक्त खर्च हो सकता है।

नो-कोस्ट ईएमआई खराब विकल्प नहीं है, लेकिन इसे तभी चुनना समझदारी है जब सामान की जरूरत हो, कुल लागत स्पष्ट हो और किस्त आपकी आर्थिक क्षमता के भीतर हो। आसान किस्त देखकर नहीं, पूरी कीमत देखकर फैसला करें।

खबर संक्षेप

हेरोइन सहित बाइक सवार युवक दबोचा
चोपटा। पुलिस ने गश्त के दौरान गांव नहराणा क्षेत्र से बाइक सवार एक युवक को 7 ग्राम 10 मिलीग्राम हेरोइन सहित काबू किया है। सीआईए सिरसा पुलिस की टीम गश्त व चैकिंग के दौरान नाथूसरी चौपटा क्षेत्र से होते हुए गांव नहराणा की ओर जा रही थी। इसी दौरान पुलिस पार्टी जब गांव नहराणा के नजदीक पहुंची तो सामने से बाइक सवार एक युवक आता दिखाई दिया जो पुलिस को देखकर वहां से भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस टीम ने शक के आधार पर युवक को काबू कर उसकी तलाशी ली तो उसके कब्जे से 7 ग्राम 10 मिलीग्राम हैरोइन बरामद हुई।

एडवोकेट प्रकाश वीर का किया अभिनंदन
रानियां। बार एसोसिएशन रानियां के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए एडवोकेट प्रकाश वीर का अर्ष पैलेस में भाजपा नेताओं एवं पदाधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। अभिनंदन समारोह में हरियाणा गौसेवा आयोग के चेयरमैन रामचंद्र कंबोज, हरियाणा माटी कला बोर्ड के पूर्व चेयरमैन गुरदेव सिंह राही, जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री एवं भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री बलवान जांगड़ा, भाजपा के वरिष्ठ नेता मन्खन लाल ख्योंवाली, मार्केट कमेट्री रानियां के चेयरमैन ललित मोहन पोपली तथा वाइस चेयरमैन स्वर्ण सिंह कंबोज सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एडवोकेट प्रकाश वीर को निर्विरोध अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी। ते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

जिला बार चुनाव 11 को, 692 अधिवक्ता करेंगे मतदान

» **चुनावी सरगर्मियां तेज, संदीप टांडिया बने रिटर्निंग ऑफिसर**

हरिभूमि न्यूज » फतेहाबाद

जिला बार एसोसिएशन फतेहाबाद के वर्ष 2026-27 के चुनाव की तारीख तय होते ही वक्ताओं में चुनावी हलचल तेज हो गई है। बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी ने 11 सितंबर को चुनाव कराने का निर्णय लिया है। चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और भारदर्शी तरीके से संपन्न करने के लिए सात सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया है। वरिष्ठ

भाजपाइयों ने फूँका कांग्रेस विधायक का पुतला

■ विधानसभा में पोस्टर छीनने के विरोध का किया विरोध

हरिभूमि न्यूज » फतेहाबाद

हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस विधायक जरनैल सिंह द्वारा वर्ष 1984 के सिख-विरोधी दंगों का मुद्दा उठाए जाने के दौरान कांग्रेस विधायक इंद्रराज नरवाल द्वारा उनके हाथ से पोस्टर छीनकर फेंकने के मामले को लेकर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा ने कड़ा विरोध जताया। शनिवार को अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अजय खुंडिया के फतेहाबाद आगमन पर कार्यकर्ताओं ने भूना कैची चौक पर कांग्रेस विधायक इंद्रराज नरवाल का पुतला दहन किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के खिलाफ

छात्रा हैप्पी कोर ने की नेट परीक्षा उत्तीर्ण

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पंजाबी विभाग की छात्रा हैप्पी कोर ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित जेआरएफ.नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर असिस्टेंट प्रोफेसर व शोध कार्य के लिए पात्रता हासिल की है। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में उर्ल का माहौल है। महाविद्यालय की प्राचार्या अंशु उपपल ने हैप्पी कोर को इस शानदार सफलता के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यू.जी.सी. नेट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण जता सक्षता की मेहनत, लगन और निरंतर प्रयास का परिणाम है। वास्तव में, यदि लक्ष्य अर्जुन की भांति संकल्पबद्ध हो, तो हर लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है। विद्यार्थियों को सदैव अपने लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव और अथक प्रयास करते रहना चाहिए।

दुश्वारी की कहानी, सफाई कर्मचारी धरने पर, बाकी स्टाफ ले रहा मजे गंदगी से अटे शहर, घरों में भिनभिना रही मक्खियां, खाना खाना भी हुआ मुरिकल

जिलेभर में करीब 2600 टन कचरा सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा होने का अनुमान

हरिभूमि न्यूज » फतेहाबाद

नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल को शनिवार को 24 दिन पूरे हो गए, लेकिन सरकार और कर्मचारियों के बीच अब तक वार्ता किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सकी है। लगातार 24 दिन से सफाई व्यवस्था ठप होने के कारण शहर की स्थिति दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है। जिलेभर में करीब 2600 टन कचरा सड़कों, गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा होने का अनुमान है। जगह-जगह कचरे के ढेर और पॉलीथिन बिखरी होने से लोगों का घरों से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया है। सबसे ज्यादा परेशानी उन कॉलोनियों और बाजार क्षेत्रों में है, जहां रोजाना निकलने वाला कचरा अब सड़कों पर ही जमा होता जा रहा है।

सफाई व्यवस्था लंबे समय से प्रभावित होने का असर अब लोगों के घरों तक पहुंच गया है। कचरे के ढेर के आसपास बड़ी संख्या में मक्खियां मंडरा रही हैं और हवा के साथ दुर्गंध घरों तक पहुंच रही है। लोगों का कहना है कि स्थिति ऐसी हो गई है कि खाना



फतेहाबाद। सड़कों पर फैला कूड़ा व टैकेदार के गोदाम से खड़ी कचरा उठाने वाली गाड़ियां।

24 दिन बाद भी वार्ता बेनतीजा

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का समाधान कब निकलेगा। सरकार और कर्मचारियों के बीच वार्ता सिरे नहीं वदने का सीधा खामियाजा आम शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। एक तरफ कर्मचारी धरने पर हैं और दूसरी तरफ शहर कचरे के ढेर में बदलता जा रहा है। लोगों का कहना है कि मांगों पर सरकार और कर्मचारियों के बीच मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन सफाई जैसी आवश्यक सेवा को इतने लंबे समय तक ठप रहने देना जनता के स्वास्थ्य और शहर की व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर स्थिति है।

प्रशासन ने एक बार सफाई कराने की कोशिश की
हड़ताल शुरू होने के बाद प्रशासन की ओर से वैकल्पिक व्यवस्था के प्रयास किए गए थे। कुछ स्थानों पर मशीनों और दूसरे संसाधनों की मदद से कचरा उठाने की कोशिश भी हुई, लेकिन लगातार बढ़ते कचरे के मुकाबले यह व्यवस्था नاکाफी साबित हुई। अब प्रशासन भी जैसे थक-हारकर बैठ गया है। शहरवासियों का आरोप है कि शुरुआती दौर में अधिकारियों ने स्थिति संभालने की कोशिश की, लेकिन 24 दिन बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं निकला।

कर्मचारी धरने पर, बाकी स्टाफ के कामकाज पर सवाल
सफाई कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे हैं और काम पर नहीं लौटे हैं। दूसरी ओर शहरवासियों में इस बात की लेकर भी नाराजगी है कि नगर परिषद का वलैरिबल स्टाफ, तकनीकी स्टाफ और अधिकारी कार्यालयों में मौजूद होने के बावजूद सफाई व्यवस्था बहाल करने में प्रभावी भूमिका नहीं निभा पा रहे।

खते समय भी मक्खियों से बचना मुश्किल हो रहा है। बाजारों और रिहायशी क्षेत्रों में खुले में पड़े कचरे से

सिरसा बार चुनाव: प्रधान पद के लिए 6 उम्मीदवार

सिरसा। जिला बार एसोसिएशन के चुनावों को लेकर उम्मीदवारों की तस्वीर साफ हो गई है। 11 सितंबर को होने वाले मतदान में प्रधान पद पर 6 उपप्रधान के लिए एवं सचिव के लिए 2 उम्मीदवारों के बीच होगा मुकाबला होगा, जबकि महिला अधिकारताओं के लिए उपप्रधान और सह-सचिव का एक-एक पद आरक्षित है, सह-सचिव पद पर संतोष कटारिया को निर्विरोध चुन लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रधान पद पर 6 उम्मीदवार, जिनमें अधिवक्ता मूकेश खट्टर, जीपीएस किशोरा, गंगाराम दाका, आदित्य राठौर, रघुवीर सिंह और सुरेंद्र जाखड़ सभी का नामांकन पत्र स्वीकार कर लिया गया है। इसी प्रकार उप-प्रधान समायत्र गुरुरेज सिंह बराड़, संजीव गर्ग विकास द्विवेदी व उपप्रधान महिला आरक्षित अमनदीप कौर व महिला शर्म का नामांकन पत्र स्वीकार कर लिया गया।

पसीना मैदान में बहाएं, नशे से दूर रहकर जीवन में खेल को अपनाएं : एसपी खट्टर

हरिभूमि न्यूज » फतेहाबाद

राष्ट्रीय खेल दिवस एवं पद्म भूषण से सम्मानित महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचन्द की जयंती के अवसर पर गांव बड़ोपल में खेल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक नकिता खट्टर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर हॉकी खिलाड़ियों ने अपनी रिटक से आकर्षक ब्रिज बनाकर उनका भव्य स्वागत किया, वहीं कार्यकारी आदर खेल अधिकारी राजवाला ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

शहीदी चौक पुनर्निर्माण की निगरानी करेंगे किसान संगठन

टोहाना। हिसार रोड स्थित पक्का किसान मोर्चा पर शनिवार को विभिन्न किसान संगठनों की एक अहम बैठक आयोजित की गई। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रधान लाभ सिंह हरिका की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में शहीदी चौक के पुनर्निर्माण कार्य को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण और शहीदों की गरिमा के अनुरूप पूरा करने के लिए एक 10 सदस्यीय निगरानी कमेट्री का गठन किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि शहीदी चौक का पुनर्निर्माण किसानों और क्षेत्रवासियों की भावनाओं से जुड़ा विषय है।



कूड़ा-करकट को लेकर दुकानदारों ने लगाया जान

डबवाली। कूड़े की समस्या से परेशान दुकानदारों द्वारा बस स्टैंड रोड पर जाम लगाया गया। नगर परिषद के पदाधिकारियों के आश्वासन के बाद जान आखिरकार खुल गया लेकिन देर शाम तक समस्या का समाधान नहीं हुआ था। गौरतलब है कि नगर परिषद के सफाई कर्मचारी कूड़ा इकट्ठा करके ब्यू बस स्टैंड रोड पर सड़क पर ढेर कर देते हैं। इस कूड़े को कोई उठाने नहीं आता। कई दिनों तक यह कूड़ा सड़काइ मारने लगा। इससे परेशान दुकानदारों ने आज रोड स्वच्छ रोड जाम कर दी। इसके बाद वाईसचेयरमैन अमनदीप बांसल मौके पर पहुंचे और दुकानदारों से बातचीत कर मामले को शांत करवाया। अमनदीप बांसल ने दुकानदारों को जल्द कूड़ा उठवाने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करवाने का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद दुकानदारों ने जान खोल दिया जिससे बस स्टैंड रोड पर यातायात फिर से सुचारु हो गया। देर शाम तक कूड़ा नहीं उठाया गया। ऐसे में दुकानदार रविवार को फिर प्रदर्शन करेंगे।

» कचरा उठाने वाला कोई नहीं

शहरवासियों का कहना है कि उन्हें यह जानने का अधिकार है कि 24 दिन से सफाई व्यवस्था ठप होने के बावजूद प्रशासन ने स्थायी वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की। यदि सफाई कर्मचारी हड़ताल पर हैं तो नगर परिषद के पास उपलब्ध संसाधनों मशीनों और अन्य कर्मचारियों के माध्यम से सफाई क्यों नहीं कराई जा रही। लोगों का कहना है कि सरकार को कर्मचारियों से बातचीत कर जल्द समाधान निकालना चाहिए और तब तक शहर की सफाई व्यवस्था के लिए वैकल्पिक इंतजाम करना चाहिए। अब हलगत ऐसे हैं कि समस्या केवल गंदगी तक सीमित नहीं रही, बल्कि शहरवासियों के रोजमर्रा के जीवन पर इसका सीधा असर पड़ रहा है।



फतेहाबाद। बड़ोपल में हॉकी खिलाड़ियों से मिलते एसपी नकिता खट्टर।

कार्यक्रम के शुभारंभ पर एसपी नकिता खट्टर ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचन्द के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए और भारतीय खेल जगत में उनके अविस्मरणीय योगदान को नमन

मार्बल व्यापारी से 1.89 लाख रुपये की साइबर ठगी

हरिभूमि न्यूज » फतेहाबाद

लाजपत नगर निवासी और मकराना मार्बल के संचालक साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं। ठगों ने हेल्थ स्कीम बंद करने और 30 प्रतिशत मेडिकल डिस्काउंट का झोंसा देकर उनके व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजा। लिंक के जरिए एसबीआई क्रेडिट कार्ड नाम की फर्जी ऐप इंस्टॉल करवाकर आरोपी ने बैंकिंग जानकारी हासिल कर ली। इसके बाद पीड़ित के क्रेडिट कार्ड से कुल 1,89,474 रुपए काट लिए गए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में लाजपत नगर, फतेहाबाद निवासी नरेश ने कहा है

9 दिन से आमरण अनशन पर प्रवक्ता

फतेहाबाद/टोहाना। पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रवक्ता अनूप कुमार का न्याय की मांग को लेकर आमरण अनशन शनिवार को नौवें दिन भी जारी रहा। अनूप कुमार का कहना है कि वह 20 अगस्त से अनशन पर बैठे हैं और जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलता, आंदोलन जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईआर कार्य शुरू होने के बाद से नायब तहसीलदार और एसडीएम टोहाना आकाश शर्मा द्वारा उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने प्रशासन पर जातिगत दुर्भावना से कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस संबंध में सीएम विंडो पर शिकायत भी दर्ज कराई थी। अनूप कुमार के अनुसार शिकायत वापस लेने के लिए उन पर दबाव बनाया गया।

न्यूज डायरी



सांसद दीपेंद्र हुड्डा का सिख समुदाय ने फूँका पुतला
सिरसा। रोहतक के सांसद दीपेंद्र हुड्डा वर्ष 1984 में सिखों पर हुए अत्याचार के मामले में मुख्य आरोपी रहे पूर्व सांसद सज्जन कुमार को अपना आदर्श बताने पर सिख समाज ने शनिवार को सांसद दीपेंद्र हुड्डा का पुरजोर विरोध करते हुए स्थानीय सुभाष चौक पर उनका पुतला फूँका और उनके खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इससे पूर्व सिख समाज के अनेकानेक लोग स्थानीय जनता भवन में एकत्रित हुए और वहां वक्ताओं ने वर्ष 1984 में कांग्रेस शासन के दौरान सिखों पर किए गए अत्याचारों की कड़ी आलोचना की। वक्ताओं ने कहा कि सांसद दीपेंद्र हुड्डा उस व्यक्ति को अपना आदर्श बतार रहे हैं जिन्होंने सिखों के गले में टायर डालकर उन्हें मारने जैसा कठोर षड्यंत्र रचा जिसके लिए वे न्यायालय से भी दौबी ठहराए गए। इस विरोध प्रदर्शन में गुरप्रीत सिंह साहुवाला, मलकीत सिंह जोगेवाला, सतबीर सिंह हर्स्पु, जगदीप सिंह ओढ़ा, मेजर सिंह सरा, महिमा सिंह, बलकीर सिंह, गुरतेज सिंह रोड़ी, लाभ सिंह केवल, लीला सिंह रोड़ी आदि आदि रहे।



अनाजमंडी चुनाव, उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह बांटे
फतेहाबाद। व्यापार मंडल अनाज मंडी के चुनावों को लेकर शनिवार को विभिन्न पक्षों के मैदान में उत्तर उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आडिट कर दिए गए हैं। चुनाव अधिकारी गोपाल राय चौधरी ने बताया कि उपप्रधान पद के उम्मीदवार कृष्ण कुमार को साईकिल का चुनाव चिन्ह तथा हरमजन कंबोज को शेर का चुनाव चिन्ह दिया गया है। वहीं सचिव पद के लिए बारगमन सरपंच को साईकिल का चुनाव चिन्ह तथा ज्ञानदेव को छतरी का चुनाव चिन्ह दिया गया है। सहसचिव पद के लिए राजेन्द्र कुमार को टेलीफोन का चुनाव चिन्ह तथा सुरजीत कुमार को शेर का चुनाव चिन्ह दिया गया है। कोषाध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार सुरेन्द्र कुमार को कार का चुनाव चिन्ह तथा नवीन कुमार को मटका का चुनाव चिन्ह दिया गया है। गोपाल चौधरी ने बताया कि आगामी 13 सितम्बर को प्रातः 9 से 4 बजे तक मतदान होगा तथा उनके तुरंत बाद मतगणना करके परिणाम घोषित कर दिया जाएगा।



व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण में दी जानकारी
सिरसा। डाइट डिग में आयोजित पांच दिवसीय सतत व्यावसायिक विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शनिवार को संपन्न हो गया। डाइट प्रवक्ता डॉ. विनोद ने बताया कि अंतिम दिन प्रथम सत्र में डाइट विषय विशेषज्ञ राकेश मोहन ने पाठ योजना निर्माण विषय पर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। इसके पश्चात डाइट विषय विशेषज्ञ डॉ. मनोज पुरी एवं डॉ. राजेश खुराना ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण ओवरलैप विषय पर संयुक्त सत्र लिया और इसके शैक्षणिक उपयोग की जानकारी दी। द्वितीय सत्र में डाइट विषय विशेषज्ञ चंद्र प्रकाश शर्मा ने रसायन विज्ञान के प्रति भय दूर करने की रणनीतियां विषय पर प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों ने रसायन विज्ञान के प्रति भय एवं हिंसाक्ष दूर करने तथा विषय को सरल एवं रोचक बनाने की प्रभावी रणनीतियों पर प्रकाश डाला। तृतीय सत्र में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव एवं सीख पर आधारित प्रस्तुतियां दीं तथा अपने विचार सांझा किए। समापन अवसर पर डाइट आईएफआईसी विंग प्रभारी नरेश नररणा ने कहा कि प्रशिक्षण की वास्तविक सार्थकता तभी है, जब इसमें प्राप्त ज्ञान एवं नवीन शिक्षण तकनीकों का प्रभावी उपयोग कक्षा-कक्ष में किया जाए। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थी केंद्रित एवं नवाचारी शिक्षण विधियों को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रशिक्षण के सफल आयोजन के लिए सभी प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। समापन पर प्रतिभागियों से प्रशिक्षण संबंधी प्रतिक्रिया भी ली गई।



ब्राह्मण सभा के प्रधान बने रहेंगे अर्जुन शर्मा
सिरसा। श्री ब्राह्मण सभा रजि. सिरसा के प्रधान पद पर अर्जुन शर्मा को बनाए रखने के लिए जनरल रजिस्ट्रार सोभायटी हरियाणा ने पत्र जारी कर दिया है। पोर्टल पर भी अर्जुन शर्मा का ही नाम सभा के प्रधान के तौर पर दर्शाया गया है। रामानंद शर्मा ने मीडिया के समक्ष इस आशय की जानकारी साझा करते हुए बताया कि 2012 से श्री ब्राह्मण सभा रजि. सिरसा पोर्टल पर नहीं दृढ़ पाई। इसके लिए कार्यकारिणी के सदस्य व पूर्व में प्रधान पद पर रहे लोग जिम्मेवार हैं। इसके बाद चुनाव के लिए एडहॉक कमिटी बनाई गई। एक अक्टूबर 2022 को प्रो. डीएन शर्मा ने आरोप लगाए, जो सही नहीं पाए गए। इसके बाद वे कोर्ट में चले गए। 17 अगस्त 2026 को रजिस्ट्रार ने फैसला देते हुए अर्जुन शर्मा को ही सभा के प्रधान पद पर बने रहने के लिए हरी झंडी दिखाई। उन्होंने महाभारत का उद्घाटन देते हुए कहा कि भोज पितामह ने दोषी के चौरहण के समय आवाज नहीं उठाई, जिसका नतीजा सभी के सामने है। इसलिए भोज पितामह न बचकर अर्जुन शर्मा का सहयोग करें, ताकि सभा का अस्तित्व बना रह सके। यथालाभ भारद्वाज ने कहा कि एसएल परीक को बंद 2012 से अर्जुन शर्मा का नाम ही पोर्टल पर दर्ज है। इसके बाद आरपी शर्मा एडवोकेट प्रभात बने, लेकिन पोर्टल पर नाम नहीं दर्ज करवाया।

चेयरमैन अभिनंदन के सम्मान की तैयारियां पूरी

सिरसा। सैनी सभा ट्रस्ट सिरसा की ओर से 30 अगस्त को होने वाले नवनिर्वात चेयरमैन अभिनंदन एवं प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभा के प्रधान नरेंद्र सैनी व संरक्षक विजय पाल सैनी ने बताया कि इस कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि सूचना आयुक्त हरियाणा सरकार कर्मवीर सैनी, हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम चेयरमैन गुरनगम सैनी व नव विकास निगम के चेयरमैन रवि सैनी होंगे। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में समाज की उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने शिक्षा, खेल सहित अन्य क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर समाज को गौरवाविवित किया है।

रिटायर्ड कर्मचारियों की बैठक एक सितम्बर को

फतेहाबाद। ऑल रिटायर्ड कर्मचारी वेल्फेयर एसोसिएशन की मासिक बैठक एक सितंबर मंगलवार को प्रातः 9-30 बजे जाट धर्मशाला के पास स्थित पुराना स्टेट हाऊस, फतेहाबाद में होगी। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान मुख्तियार कंबोज करेंगे। यह जानकारी देते हुए एसओएसएन के महासचिव सुभाष चंद्र चौहान ने बताया कि बैठक में रिटायर्ड कर्मचारियों को 8वें वेतन आयोग का लाभ देने सहित विभिन्न मांगों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सफाई कर्मचारियों का समर्थन करते हुए सरकार से मांग की जाएगी कि कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी जाति मांगों को पूरा किया जाए ताकि बहदाल सफाई व्यवस्था पट्टरी पर लौट सके। इसके अलावा नियमित और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मिलने वाली एक माह के वेतन के बराबर एलटीसी सुविधा को पुनः शुरू किया जाए। आठवें वेतन आयोग रिटायर्ड कर्मचारियों को भी लागू किया जाए। सेवानिवृत्त उपरतः 65, 70, 76 वर्ष आयु पर 5, 10 व 15 प्रतिशत बेसिक पेशन दरों में वृद्धि की जाए। 60 साल की आयु के बाद रेलवे में रियायती दर पर यात्रा सुविधा दी जाए। कैशलेस मॉडिकल सुविधा तुरंत लागू हो व मासिक मेडिकल भत्ता एक हजार रुपये से बढ़ाकर 5 हजार किया जाए। पेंशन कम्यूटेशन की कटौती 15 साल की बजाय 10 वर्ष 8 महीने की जाए।

ख़बर संक्षेप

डोडा पोस्ट बरामदगी केस में मुख्य आरोपी काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करो के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना शहर रतिया पुलिस ने 4 किलो 35 ग्राम कचरा डोडा पोस्ट बरामदगी के मामले में कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए मुख्य आरोपी जगसीर सिंह पुत्र मुख्तयार सिंह निवासी महमड़ा को गिरफ्तार कर लिया है। थाना शहर रतिया प्रभारी उप-निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि गत 2 अगस्त को एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद की टीम ने जरनैल सिंह उर्फ जैली को 4 किलो 35 ग्राम कचरा डोडा पोस्ट के साथ काबू किया था।

नशा मुक्ति केंद्र संचालक से मारपीट में एक एकड़

फतेहाबाद। नशा मुक्ति केंद्र संचालक के साथ मारपीट करने के मामले में थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने छठे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी राकेश कुमार गांव ढिंगसरा का रहने वाला है और वर्तमान में भद्र में रहता है। पुलिस ने एक बाइक को भी कब्जे में लिया है। गांव लुदेसर निवासी होशियार सिंह राजस्थान के सिद्धमुख में नशा मुक्ति केंद्र चलाते हैं। 29 मई को होशियार सिंह एक ढाणी पर गए थे तो वहां पहले से मौजूद आरोपियों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन 1 सितंबर से

फतेहाबाद। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के दौरान आरकेबीवाई योजना के तहत एसएमएम घटक में अनुदान पर किसानों द्वारा खरीदे गए कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा। कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन 1 सितंबर से 3 सितंबर तक प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक किया जाएगा। 1 सितंबर को रोटावेटर एवं लेजर लैंड लेवलर को छोड़कर अन्य सभी कृषि यंत्रों का भौतिक सत्यापन किया जाएगा।

आईटीआई में ऑन-ट-स्टॉट दाखिले की तिथि 31 अगस्त तक बढ़ी

फतेहाबाद। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा द्वारा राज्य के सभी राजकीय एवं निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में सत्र 2026-27 के दाखिले हेतु ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन पत्र भरने तथा ऑन-द-स्टॉट दाखिले की तिथि को 29 अगस्त से बढ़ाकर 31 अगस्त तक कर दिया गया है। इसके साथ ही पूर्व में दाखिला ले चुके छात्र-छात्राओं के लिए अपना दाखिला रद्द करवाने का विकल्प भी पोर्टल पर उपलब्ध करा दिया गया है।

डेरा बाबा भूमणशाह में मनाया रक्षाबंधन पर्व

सिरसा। डेरा बाबा भूमणशाह में भाई-बहन के असीम स्नेह, प्रेम, विश्वास एवं रक्षा के पवित्र बंधन का प्रतीक रक्षाबंधन तथा पूर्णिमा पर्व श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बाबा ब्रह्मदास पंढराराजे ने समस्त गुरुभक्तों को रक्षाबंधन एवं पूर्णिमा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान किया। गुरु महाराज ने सभी के जीवन में प्रेम, सद्भाव, सुख-शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की। इस मौके पर छोटी बच्चियों ने महाराज को राखी बांधी।

लाखों रुपये की हेरोइन सहित 6 तस्कर गिरफ्तार

डबवाली। पुलिस ने छह नशा तस्करो को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए तस्करो की पहचान सुशील, सुखप्रीत सिंह, चंचल, मुकेश कुमार, गुरप्रीत सिंह व शमशेर सिंह के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान गांव अबूबशहर क्षेत्र में मौजूद थी। पुलिस ने संदेह होने पर एक युवक को काबू कर लिया और तलाशी ली तो उसके कब्जे में छह ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस पूछताछ में आरोपी की पहचान सुशील के रूप में हुई। इसके अलावा पुलिस ने ओढ़ा क्षेत्र से मोटरसाइकिल सवार एक युवक सुखप्रीत सिंह को भी ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए डबवाली पुलिस ने डबवाली शहर क्षेत्र से चंचल को सात ग्राम हेरोइन सहित दबोचा है। सीआईए डबवाली प्रभारी ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि युवक एक मीना बाजार क्षेत्र में हेरोइन बेचने की फिराक में है। पुलिस ने आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। सदर थाना डबवाली पुलिस ने गांव कासुआना क्षेत्र से मुकेश व गुरप्रीत सिंह को सात ग्राम हेरोइन सहित दबोचा है। ओढ़ा थाना पुलिस ने हेरोइन तस्करी मामले में फरार चल रहे मुख्य तस्कर कुलविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9253681005

किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौध उपलब्ध कराने की सरकार की पहल

नर्सरी संचालकों ने बिना लाइसेंस पौध बेची तो एक साल की जेल व जुर्माना



फतेहाबाद। शहर में चल रही नर्सरी।

लिफ वैध रहेगा। अवधि समाप्त होने के बाद नर्सरी संचालक को दोबारा नवीनीकरण कराना होगा। इसके लिए लाइसेंस की वैधता खत्म होने से कम से कम 30 दिन पहले ऑनलाइन आवेदन करना होगा। निर्धारित समय के बाद नवीनीकरण कराने पर 2 हजार रुपए विलंब शुल्क देना होगा। नर्सरी संचालकों को पंजीकरण और लाइसेंस के लिए विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सरकार की इस पहल से उम्मीद जताई जा रही है कि किसानों के साथ धोखा होने से बचाया जा सकेगा और उन्हें गुणवत्तापूर्ण पौध मिलेंगे।

25 प्रमाणित मातृ पौधे और मिट्टी की जांच जरूरी

फलीय पौधों की नर्सरी संचालक के पास कम से कम 25 प्रमाणित मातृ पौधे होने चाहिए। इसके अलावा मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से मिट्टी की रोगजनक-मुक्त जांच रिपोर्ट भी प्रस्तुत करनी होगी। नर्सरी संचालक के लिए बागवानी क्षेत्र से संबंधित संस्थान जैसे आईसीएआर या एचएच आदि से कम से कम एक सप्ताह का प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र होना भी अनिवार्य किया गया है। प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे पौधे खरीदते समय नर्सरी का लाइसेंस और पौधे की प्रमाणिकता जरूर जांचें। किसानों को लाइसेंस प्राप्त और प्रमाणित नर्सरियों से ही पौधे खरीदने की सलाह दी गई है। बिल लेना भी जरूरी है, ताकि पौधे की किस्म या गुणवत्ता को लेकर भविष्य में कोई समस्या होने पर उसका रिकॉर्ड उपलब्ध रहे।

45 दिन में अपील का अधिकार

यदि नर्सरी के लाइसेंस का आवेदन रद्द या खारिज किया जाता है तो आवेदक को 45 दिन के भीतर ऑनलाइन अपील करने का अधिकार होगा। इसके लिए 1000 रुपये अपील फीस निर्धारित की गई है। सरकार का उद्देश्य लाइसेंस व्यवस्था के जरिए नर्सरियों की जवाबदेही तय करना और किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौध उपलब्ध करना है।

लाइसेंस फीस भी तय

नई व्यवस्था के तहत फलीय पौधों की नर्सरी के लिए नया लाइसेंस शुल्क 20 हजार रुपये और वनोन्मीकरण शुल्क 10 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। अन्य बागवानी पौधों की नर्सरियों के लिए लाइसेंस फीस एक हजार रुपये निर्धारित की गई है।

फलीय पौधों की नर्सरी के लिए एक एकड़ जमीन जरूरी

नियमों के तहत फलीय पौधों की नर्सरी स्थापित करने के लिए कम से कम एक एकड़ जमीन होना जरूरी है। जमीन नर्सरी संचालक की अपनी हो सकती है या कम से कम 10 साल की लीज पर ली गई होनी चाहिए। अन्य बागवानी पौधों की नर्सरी के लिए कम से कम 1000 वर्ग मीटर जमीन जरूरी होगी। इसके लिए जमीन अपनी या कम से कम तीन साल की लीज पर होना आवश्यक है।

वाले ग्राहक को बिल देना होगा। साथ ही नर्सरी में पौधों की खरीद और बिक्री का पूरा रिकॉर्ड भी रखना अनिवार्य होगा। इसके किसानों को पौधे की वास्तविक किस्म और स्रोत की जानकारी मिल सकेगी।

45 दिन में अपील का अधिकार

यदि नर्सरी के लाइसेंस का आवेदन रद्द या खारिज किया जाता है तो आवेदक को 45 दिन के भीतर ऑनलाइन अपील करने का अधिकार होगा। इसके लिए 1000 रुपये अपील फीस निर्धारित की गई है। सरकार का उद्देश्य लाइसेंस व्यवस्था के जरिए नर्सरियों की जवाबदेही तय करना और किसानों को गुणवत्तापूर्ण पौध उपलब्ध करना है।

लाइसेंस फीस भी तय

नई व्यवस्था के तहत फलीय पौधों की नर्सरी के लिए नया लाइसेंस शुल्क 20 हजार रुपये और वनोन्मीकरण शुल्क 10 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। अन्य बागवानी पौधों की नर्सरियों के लिए लाइसेंस फीस एक हजार रुपये निर्धारित की गई है।

मंडलायुक्त गीता भारती ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

सिरसा। हिसार मंडल की मंडलायुक्त गीता भारती ने शुक्रवार को सिरसा जिला के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का जायजा लिया और अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली। इस अवसर पर तहसीलदार प्रदीप कुमार, इलेक्शन तहसीलदार हनुमान दास, इलेक्शन कानूनगो रीना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान उन्होंने कालांवली विधानसभा क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पतली डाबर, शहीद निशान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल भावदेन का दौरा किया। सिरसा विधानसभा क्षेत्र में राजकीय प्राथमिक विद्यालय हुड्डा सेक्टर, राजकीय कन्या महाविद्यालय, बाल भवन और राजकीय नेशनल कॉलेज स्थित मतदान केंद्रों पर पहुंच कर समीक्षा की गई। इसके अलावा ऐलानाबाद विधानसभा क्षेत्र के दड़वा व नाथूसरी कलां के मतदान केन्द्र में पहुंचकर पुनरीक्षण कार्य की स्थिति जांची गई। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं बुध स्तर के अधिकारियों से मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत अब तक किए गए कार्यों की जानकारी ली।



सिरसा। मतदान केंद्रों का निरीक्षण करती मंडलायुक्त गीता भारती।

रन फॉर यूनिटी में सुखविंदर व शतरंज में अरुण रहा विजयी

हरिभूमि न्यूज़ ►►फतेहाबाद

उच्चतर शिक्षा निदेशालय, पंचकूला के दिशा-निर्देशानुसार राजकीय महाविद्यालय, फतेहाबाद में शनिवार को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. रविन्द्र की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बद्ध-चटकर भाग लिया। आयोजित की गई रन फॉर यूनिटी में बीए तृतीय वर्ष के छात्र सुखविंदर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि बीए द्वितीय वर्ष के छात्र सुनील ने दूसरा और बीए तृतीय वर्ष के छात्र विकास ने तीसरा स्थान

प्राप्त किया। वहीं शतरंज प्रतियोगिता में बीए प्रथम वर्ष के छात्र अरुण ने पहला स्थान, छात्रा कविता ने दूसरा स्थान और बीए तृतीय वर्ष के छात्र राहुल ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. रविन्द्र ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उनके जीवन और खेल जगत में दिए गए अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेलकूद हमारे जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि समय-समय पर आयोजित होने वाली ऐसी खेल प्रतियोगिताओं में सभी को निरंतर भाग लेते रहना चाहिए।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील सैन ने फतेहाबाद में ली बैठक

कार्यकर्ता ही संगठन की असली ताकत, वर्षभर जनता के बीच रहें सक्रिय

संगठन की मजबूती व ओबीसी समाज को पार्टी से जोड़ने पर किया मंथन

हरिभूमि न्यूज़ ►►फतेहाबाद

किसी भी राजनीतिक संगठन की असली ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। कार्यकर्ताओं का दायित्व केवल चुनाव के समय सक्रिय होना नहीं है, बल्कि वर्षभर समाज के बीच रहकर लोगों की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए प्रयास करना है। यह बात भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष



फतेहाबाद। भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील सैन का स्वागत करते जिलाध्यक्ष।

सुनील सैन ने फतेहाबाद में किया। जिला भाजपा कार्यालय में प्रदेशाध्यक्ष सुनील सैन के आगमन पर ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों

एवं कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत व अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान संगठन की मजबूती, ओबीसी समाज को

सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी

प्रदेशाध्यक्ष सुनील सैन ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता, मेहनत और समाज के हर वर्ग के साथ निरंतर जुड़ाव ही संगठन का आधार है। उन्होंने आह्वान किया कि कार्यकर्ता सरकारी नीतियों की स्वयं पूरी जानकारी रखें और उसे सरल भाषा में आम जनता, विशेषकर कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाएं। इसके लिए उन्होंने गांव-गांव और बुध स्तर तक युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जोड़ने पर जोर दिया। ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष बलदेव सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश सरकार ने गरीब व पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए अनेक योजनाएं लागू की हैं, जिनका लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने स्पष्ट किया कि ओबीसी मोर्चा का कार्य केवल बैठकें करना नहीं, बल्कि संगठन और समाज के बीच एक मजबूत सेतु बनाना है। उन्होंने कहा कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास के सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है, जहां जाति के बजाय हर वर्ग को समान अवसर और सम्मान देना संगठन की प्राथमिकता है।

पार्टी से जोड़ने और सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर विशेष मंथन किया गया। इस अवसर पर सुरेंद्र आर्य, चैयरेमैन बलदेव ग्रीहा, राजपाल बैनीवाल,

सेक्टर-19 व 20 में पेयजल व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल



सिरसा। पेयजल की शिकायत करने पहुंचे हुड्डा सेक्टर 19 और 20 के निवासी।

हरिभूमि न्यूज़ ►►सिरसा

हुड्डा सेक्टर-19 और सेक्टर-20 में पेयजल व्यवस्था को लेकर निवासियों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। कभी पानी में मिट्टी और गंदगी आने तो कभी कीड़े दिखाई देने की शिकायतें सामने आ रही हैं। सेक्टरवासियों द्वारा हुड्डा विभाग को बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। लोगों का आरोप है कि उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल रहा।

सेक्टर-19 के रेंजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के प्रधान राम सिंह बेनीवाल, रणजीत सिंह फग्गू, विध्व पत्रकार सुरेंद्र भाटिया, रामस्वरूप मेहता, डॉ. इंद्र कुमार, तेजेंद्र लोहिया ने बताया कि सेक्टर-19 में स्थापित वाटर वर्क्स के टैंकों में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं रहता। सेक्टरवासियों ने आरोप लगाया कि नहर में पानी चलने के बावजूद टैंक लगभग खाली पड़े रहते हैं। पानी की कमी पूरी करने के लिए एक ट्यूबवेल का पानी वाटर वर्क्स में डाला जा रहा है तथा एक और ट्यूबवेल लगाने की तैयारी है। सेक्टरवासियों का कहना है कि पहले सुबह और शाम, दोनों समय मिलाकर

गुणवत्ता पर सवाल

पेयजल की गुणवत्ता को लेकर सबसे गंभीर सवाल वलोरिनेशन और जल शोधन व्यवस्था पर उठ रहे हैं। सेक्टरवासियों का कहना है कि वाटर वर्क्स में पानी के शोधन और निगरानी के लिए लगाए गए ऑटोमेटिक सेंसर ठीक प्रकार से काम नहीं कर रहे। लोगों का आरोप है कि पानी में क्लोरीन की मात्रा भी नियमित नहीं रखी जा रही। कभी कभी, कभी ज्यादा और कभी बिना पर्याप्त क्लोरीनेशन के ही पानी सप्लाई कर दिया जाता है। यदि सेंसर चारुतब में खराब हैं तो यह जांच का विषय है कि पानी की गुणवत्ता, क्लोरीन की मात्रा और शोधन प्रक्रिया की निगरानी किस व्यवस्था से की जा रही है? सेक्टर-19 रेंजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष राम सिंह बेनीवाल ने मुख्यमंत्री तथा सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा को पत्र भेजकर पेयजल समस्या के तत्काल समाधान की मांग की है।

करीब तीन घंटे तक पानी मिलता था। बाद में सप्लाई घटाकर दिन में एक बार करीब दो घंटे कर दी गई और अब स्थिति यह है कि करीब एक घंटे भी पानी दिया जा रहा है। लोगों का आरोप है कि इस एक घंटे में भी कई घरों तक पर्याप्त दबाव से पानी नहीं पहुंच पाता।

न्यूज़ डायरी

राजस्थान गया था परिवार, नकदी व गहने चोरी

फतेहाबाद। शहर के जंटी मोहल्ला में चोरी ने एक बंद मकान को निशाने बनाते हुए 31 हजार रुपये की नकदी और लाखों रुपये मूल्य के जेने-चांदी के जेवरालत चोरी कर लिए। वारदात के समय पीड़ित परिवार मकान पर ताला लगाकर राजस्थान स्थित अपने गांव गया हुआ था। पीड़ित ने शनिवार को इस संबंध में बस अड्डा पुलिस चौकी में शिकायत देकर आरोपियों को गिरफ्तारी और चोरी का सामान बरामद करने की गुहार लगाई है। पुलिस को दी शिकायत में जंटी मोहल्ला निवासी मुकेश कुमार पुत्र बाबू राम ने बताया कि वह 28 अगस्त की सुबह करीब नौ बजे अपने मकान के कमरे और मुख्य गेट पर ताला लगाकर परिजनों के साथ राजस्थान के गांव अजीतपुरा गया था। अगले दिन 29 अगस्त की सुबह करीब छह बजे उनके पड़ोसी राज कुमार ने फोन कर सूचना दी कि उनके कमरे का दरवाजा खुला पड़ा है। सूचना मिलते ही मुकेश सुबह करीब आठ बजे फतेहाबाद स्थित अपने घर पहुंचे। घर पहुंचने पर पीड़ित ने देखा कि मुख्य गेट पर तो ताला लगा था, लेकिन अंदर कमरे के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। जब अलमारी की जांच की गई तो लॉकर में रखे 31 हजार रुपये नकद गायब मिले। इसके अलावा चोर सोने की कानों की बालियां, मंगलसूत्र, अंगुठी, नोजपिन तथा चांदी की पाजेब और बाजूबंद सहित अन्य आभूषण भी चोरी कर ले गए थे।

मां-बेटा जेल में बंद, चोर ने घर में की सैधमारी

सिरसा। बंद पड़े मकान का ताला तोड़कर एक इन्वर्टेड बैटरी और अन्य घरेलू सामान चोरी करने के आरोपी को सिरसा पुलिस के एसीवीटी स्टाफ ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गुरुनगर बहादुर नगर सिरसा निवासी रजनी ने पुलिस को शिकायत में बताया कि वह और उसका लड़का जेल में थे। बीती 19 अगस्त 2026 को जेल से जमानत होने पर घर आकर देखा तो घर का मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा तो घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर एक इन्वर्टेड बैटरी व अन्य कीमती घरेलू सामान चोरी होना पाया गया। एसीवीटी स्टाफ ने जांच के दौरान जे जे कॉलोनी सिरसा निवासी प्रताप को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा।

जर्जर पुल पर करवाया मरम्मत कार्य

फतेहाबाद। टोहाना के गांव कुरा ने झंडाईई मार्ग पर बने जर्जर पुल पर हादसे के बाद मरम्मत का कार्य नहरी विभाग सानियाला द्वारा कर लिया गया है। पिछले सप्ताह इस पुल की जर्जर हालत के कारण एक कार भी नीचे गिर गई थी, जिसके बाद विभाग ने सुरेदीदी दिखाते हुए मरम्मत का काम शुरू करवाया। इस कार के गिरने के बाद से ग्रामीण कमल को चोट भी आई थी जिसके बाद गांव के सरपंच सुनील के नेतृत्व में ग्रामीणों ने राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला से मुलाकात की ताकि पुल का काम जल्दी हो सके।

रतिया चुंदी हमले का भगोड़ा आरोपी बब्बू काबू

फतेहाबाद। मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के उपराने मामले में पुलिस चौकी गुरुनानकपुरा की टीम ने वाछित एक बेल जंगम आरोपी को काबू किया है। पकड़ा गया आरोपी राजेन्द्र उर्फ बब्बू निवासी गुरुनानकपुरा मोहल्ला, फतेहाबाद का रहने वाला है। पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक कंवर सिंह ने बताया कि जुलाई 2024 में शक्ति नगर निवासी कृष्ण कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ित के अनुसार, वह गुरुनानकपुरा मोहल्ला स्थित अपने रिश्तेदार की दुकान को काम करता था। 7 जुलाई 2024 की रात करीब 11 बजे दुकान से काम खत्म कर घर लौटते समय रतिया चुंदी आश्रम रोड के पास आरोपी राजेन्द्र उर्फ बब्बू और उसके साथियों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोपियों ने लाठी-डंडों से उस पर हमला कर दिया।

प्रदेश उपाध्यक्ष रविंद्र बलियाला, चरखी दादरी के ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष नवीन सैनी, जिला महामंत्री अशोक जाखड़, विकास लालोदा, पवन प्रजापति, हवा सिंह,

विजय जांगड़ा, मोहन सैनी, सुभाष चंदेरा, दर्शन सिंह फतेहपुरी, चंद्रलाल सोनी, बलजीत सोनी और मोनू सरपंच सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर लोकआस्था ही नहीं भक्ति का केंद्र बन जाता है मथुरा



धार्मिक स्थल / वीणा गौतम

भाद्रपद या भादों का महीना आते ही देश के नक्शे पर एक शहर भक्ति और भावना का संगम, आस्था का केंद्र बन जाता है, यह शहर है- भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली मथुरा। भादों महीने में, जो कल ही आरंभ हुआ है, मथुरा की गलियां अपने आपमें तीर्थ बन जाती हैं। हर गली में मौजूद अनेक मंदिरों वाला यह शहर एक विशाल पूजा स्थल में बदल जाता है।

पूरा शहर हो जाता है कृष्णमय: जन्माष्टमी के दिन तो मथुरा में पूरी रात देश के कोने-कोने से आए लाखों तीर्थयात्री भक्ति का जागरण करते हैं। सिर्फ जन्माष्टमी के दिन ही नहीं, पूरे भादों महीने में यहां देश ही नहीं बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों से आए तीर्थयात्रियों की उत्सवमयी मौजूदगी उल्लास गुंजता रहता है। हालांकि साल के बाकी दिनों में भी मथुरा में तीर्थयात्रियों की भरमार रहती है, लेकिन जन्माष्टमी की तो बात ही अलग होती है। इस दौरान तो जैसे पूरे महीने यह पूरा शहर कृष्णमय उत्सव का साक्षी बन जाता है।

पर्यटकों के ठहरने की पर्याप्त व्यवस्था: इस साल कृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर 2026 को पड़ रही है और एक पखवाड़े पहले से ही तीर्थयात्रियों की ठहरने वाली सभी जगहें फुल हो चुकी हैं। लेकिन यह बात भी है कि इस शहर में तीर्थयात्रियों को ठहरने की कभी समस्या नहीं रहती, क्योंकि एक दशक पहले प्रचलित हुए, घर पर पर्यटकों को ठहराने की नीति के कारण मथुरा में बहुत सारे लोग इस मौके पर अपने घरों को तीर्थयात्रियों के लिए खोल देते हैं। इस तरह पर्यटकों को सुविधाजनक 'होम स्टे' का आनंद भी मिल जाता है। इसलिए उमड़ता है जन्मसैलाब: भादों के महीने में यहां

कंधे पर टंगा बैग अब सिर्फ किताबों/जरूरी सामानों का कैरियर नहीं रहा। अब बैगपैक भी यंगस्टर्स का स्टाइल स्टेटमेंट बन गए हैं। स्टाइल और कंफर्ट के कॉम्बो वाले ये बैगपैक्स आज के यंगस्टर्स को खूब भा रहे हैं।

यंगस्टर्स को भा रहे हैं बैगपैक के नए स्टाइल

बैगपैक बना रही हैं, जो सुविधाओं से भरपूर और देखने में बेहद स्मार्ट हैं। मल्टी कंपार्टमेंट डिजाइन: आज के आधुनिक बैगपैक की सबसे बड़ी खासियत उसका मल्टी कंपार्टमेंट डिजाइन है। इसमें लैपटॉप के लिए अलग कुशनयुक्त हिस्सा, टैबलेट पॉकेट, चार्जर और केबल के लिए छोटे पॉकेट, पेन होल्डर और पानी की बोतल रखने के लिए अलग-अलग जगहें होती हैं। इससे सामान व्यवस्थित रहता है और जरूरत पड़ने पर तुरंत मिल जाता है। वाटर रेजिस्टेंट फीचर: बारिश के मौसम को देखते हुए वाटर रेजिस्टेंट फैब्रिक वाले बैगपैक तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। इसमें अचानक बारिश होने पर भी लैपटॉप, नोटबुक और दस्तावेज सुरक्षित रहते हैं। कुछ बैगों के साथ रेन कवर भी मिलता है, जिससे अतिरिक्त सुरक्षा मिल जाती है। जिन छात्रों को रोज लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, उनके लिए यह बेहद उपयोगी होता है। एंटी-थेफ्ट फीचर: बैगपैक में अब एंटी-थेफ्ट फीचर भी जोड़े जा रहे हैं। छिपी हुई जिप, पीछे की ओर सीक्रेट पॉकेट, मजबूत लॉकिंग सिस्टम, यात्रा के दौरान चोरी या जोखिम को कम करते हैं। मेट्रो, बस और रेलवे स्टेशन जैसी भीड़भाड़ वाली जगहों पर यह सुविधा विशेष रूप से काम आती है। चार्जिंग की सुविधा: टेक्नोलॉजी ने बैगपैक को और भी स्मार्ट बना दिया है। कई बैगों में यूएसबी चार्जिंग पोर्ट दिया होता है, इसमें अंदर पावर बैंक रखकर बाहर लगे पोर्ट से मोबाइल चार्ज किया जा सकता है। ऐसे में लगातार मोबाइल और इंटरनेट पर निर्भर युवाओं को बहुत सुविधा होती है। ये बेफिक्र होकर यात्रा कर सकते हैं।

न्यू ट्रेंड
संध्या सिंह

लेज, कोचिंग, ऑफिस या छोटी-छोटी ट्रेवलिंग, आज के अधिकांश युवा बहुत मूवमेंट करते रहते हैं। ऐसे में बैगपैक अब सिर्फ किताबें ढोने वाला बैग नहीं रह गया, बल्कि युवाओं की रूटीन लाइफस्टाइल, जरूरतों और पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा बन चुका है। समय के साथ बैगपैक का स्वरूप भी बदला है। अब युवा ऐसा बैगपैक चाहते हैं, जो स्टाइलिश दिखने के साथ-साथ लैपटॉप की सुरक्षा करे, मोबाइल चार्ज करने में मदद करे, बारिश से सामान को बचाए और भीड़-भाड़ में चोरी से भी सुरक्षित रहे। यही कारण है कि बाजार में 'स्मार्ट बैगपैक' की मांग लगातार बढ़ रही है।

जरूरतों के हिसाब से बदलता बैगपैक: एक समय था, जब बैगपैक का मतलब केवल दो बड़े कंपार्टमेंट और पट्टियां हुआ करता था। लेकिन इस डिजिटल युग में विद्यार्थियों की जरूरतें बदल गई हैं। अब कॉलेज जाने वाले अधिकांश युवाओं के बैग में किताबों के साथ-साथ लैपटॉप, टैबलेट, चार्जर, पावर बैंक, ईयर बड्स, पानी की बोतल और कई अन्य जरूरी सामान भी होता है। इन्हीं बदली जरूरतों को देखते हुए कंपनियां ऐसे

श्रद्धालुओं और सैलानियों का सैलाब इसलिए उमड़ता है, क्योंकि कृष्ण जन्माष्टमी का आकर्षण केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं होता बल्कि लोग उस क्षण को प्रत्यक्ष अनुभव करने की इच्छा से यहां आते हैं। क्योंकि श्रीकृष्ण परंपरा में भगवान कृष्ण के जन्म को वही क्षण माना जाता है, जब ब्रज क्षेत्र में भगवान कृष्ण की मौजूदगी का भावनात्मक एहसास होता है। आधी रात में यह एहसास अपने चरम तक पहुंच जाता है और अगर आप जन्माष्टमी के समय मथुरा आए तीर्थयात्रियों से पूछें तो वे पूरे विश्वास के साथ कहते हैं कि उस रात उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का जीवंत अनुभव हुआ। दरअसल, भादों के पूरे महीने में संपूर्ण ब्रज क्षेत्र में भगवान श्रीकृष्ण की यह भक्तिमय मौजूदगी वातावरण में चुंबकीय आकर्षण के रूप में मौजूद रहती है।

लोकसंस्कृति-लोकस्मृति में बसे हैं कृष्ण: मथुरा की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां श्रीकृष्ण केवल मंदिर में देवता के रूप में ही विराजमान नहीं रहते बल्कि शहर की हर गली, हर कोने, हर नुकड़ में लोकस्मृति और संस्कृति की जीवंतता में कृष्ण की मौजूदगी रहती है। पौराणिक आख्यानों के अनुसार मथुरा वह जगह है, जहां कंस के कारागार में देवकी और वासुदेव के पुत्र कृष्ण का प्राकट्य हुआ था। कृष्ण की यही लोकस्मृति है, जिसके कारण मथुरा विशेष महत्व का तीर्थस्थल है। जगह-जगह बसती है कृष्ण-लीला की स्मृति: कृष्ण जन्मभूमि मथुरा के हर स्थान में पर्यटक और भक्त भगवान श्रीकृष्ण की मौजूदगी अनुभव करते हैं। अत्याचारी कंस,

कंफर्ट का पूरा ध्यान: पहले भारी बैग कंधों और पीठ पर अधिक दबाव डालते थे। लेकिन अब ऐसे डिजाइन वाले बैगपैक में गद्देदार शोल्डर स्ट्रैप, सांस लेने योग्य (ब्रीदेबल) बैग पैनल और संतुलित वजन वितरण की व्यवस्था होती है। इससे लंबे समय तक बैग उठाने पर भी कम थकान महसूस होती है। स्टाइलिश और फैशनबल: फैशन के मामले में भी अब बैगपैक का स्वरूप पूरी तरह से बदल गया है। पहले जहां चमकीले रंगों और बड़े लोगों का चलन होता था, वहीं आज युवा मिनिमल डिजाइन पसंद कर रहे हैं। ब्लैक, ग्रे, ऑलिव ग्रीन, नेवी ब्लू और वेंज जैसे कलर्स सबसे अधिक पॉपुलर हैं। ऐसे बैग कॉलेज के साथ-साथ ऑफिस, इंटरनैट और यात्रा में भी आसानी से इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ईकोफ्रेंडली ऑप्शन अवेलेबल: पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता ने भी बैगपैक उद्योगों को प्रभावित किया है। अब कई बैग निर्माता री-साइक्लड प्लास्टिक बोतलों से बने फैब्रिक या अन्य टिकाऊ सामग्री का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे उत्पाद उन युवाओं को आकर्षित कर रहे हैं, जो फैशन के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व देते हैं। खरीदते समय रखें ध्यान: स्मार्ट बैगपैक खरीदते समय केवल आकर्षक डिजाइन देखकर फैसला नहीं करना चाहिए। सबसे पहले अपनी जरूरतों का आकलन करें। यदि रोज लैपटॉप ले जाना पड़ता है, तो मजबूत लैपटॉप कंपार्टमेंट होना जरूरी है। यदि यात्रा बहुत ज्यादा करनी पड़ती है, तो एंटी-थेफ्ट फीचर और वाटर रेजिस्टेंट प्राथमिकता होनी चाहिए। बैग का वजन भी खाली अवस्था में बहुत अधिक नहीं होना चाहिए, क्योंकि अतिरिक्त वजन लंबे समय में शरीर पर असर डाल सकता है। आज का बैगपैक केवल सामान रखने की वस्तु नहीं है बल्कि यह मोबाइल आर्गनाइजर बन चुका है। यह छात्रों की दिनभर की जरूरतों को व्यवस्थित रखता है और उनके विभिन्न डिजिटल उपकरणों की सुरक्षा करता है। बदलती जीवनशैली में बैगपैक का यह नया अवतार युवाओं की व्यावहारिक सोच, तकनीकी जरूरतों और फैशन के मेल का बेहतरीन उदाहरण है।

स्मार्ट बैगपैक में हों ये फीचर्स: आपके बैगपैक में ये फीचर्स जरूर होने चाहिए, तभी वो स्मार्ट लगेंगे।

- इसमें लैपटॉप कंपार्टमेंट कुशनयुक्त और सही आकार का हो।
- वाटर रेजिस्टेंट फैब्रिक के साथ रेन कवर जरूरी है।
- एंटी-थेफ्ट पॉकेट और मजबूत जिप, सुरक्षा बढ़ाती है।
- गद्देदार शोल्डर स्ट्रैप और बैक सपोर्ट आरामदायक होने चाहिए।
- कम से कम 20 से 30 लीटर क्षमता वाला बैग कॉलेज छात्रों के लिए पर्याप्त रहता है।
- यूएसबी चार्जिंग पोर्ट जैसी सुविधा उपयोगी हो सकती है, लेकिन गुणवत्ता को प्राथमिकता दें। इस मामले में याद रखें कि खाली बैग का वजन जितना कम होगा, वह उतना ही बेहतर होगा।



जन्माष्टमी के पावन महीने भाद्रपद के आते ही मथुरा सिर्फ एक शहर नहीं रहता, बल्कि लोकआस्था का उल्लासमय केंद्र बन जाता है। कृष्ण जन्माष्टमी की आहट के साथ वहां की गलियां, मंदिर और घाट भक्ति के रंग में रंग उठते हैं। आधी रात जन्मोत्सव के उस अलौकिक क्षण का साक्षी बनने देश-दुनिया से लाखों श्रद्धालु यहां उमड़ते हैं। यहां की विलक्षण मय्यता-दिव्यता पर एक दृष्टि।



देवकी-वासुदेव को कारागार की सजा, आधी रात में श्रीकृष्ण का जन्म और फिर नवजात शिशु को लेकर वासुदेव का यमुना पार करके गोकुल पहुंचना... हजारों साल से यह कथा भारतीय जनमानस में इस कदर रची बसी है कि यहां आने वाला हर श्रद्धालु, हर जगह श्रीकृष्ण की मौजूदगी देखता है। यही कारण है कि मथुरा आने वाले तीर्थयात्री सिर्फ मंदिर का दर्शन नहीं करते। वे पूरी मथुरा नगरी में अपने होने की अनुभूति करते हैं। जहां-जहां कृष्ण की मौजूदगी के वृत्तांत मौजूद होते हैं, पहुंचकर भक्ति, भावना से हम सराबोर हो जाते हैं। जन्माष्टमी की आधी रात, जैसे ही 12 बजते हैं, मंदिरों में गुंजती घंटियों की आवाजें और भक्तों का उदघोष मथुरा के साथ-साथ लाइव प्रसारण के माध्यम से पूरी दुनिया में उपस्थित कृष्ण भक्तों के लिए मथुरा जीवंत हो उठता है। मंदिरों की घंटियां शंख, भजन-कीर्तन की ध्वनियों से पूरा शहर गुंज उठता है।

कृष्ण-कथा का विस्तृत सांस्कृतिक भूगोल: मथुरा का धार्मिक-सांस्कृतिक महत्व, कृष्ण जन्मभूमि तक ही सीमित नहीं है। इसके आस-पास पूरा ब्रज क्षेत्र, कृष्ण-कथा का विस्तृत सांस्कृतिक भूगोल बन जाता है। मथुरा अगर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि है तो वृंदावन बालकृष्ण की लीलाओं का केंद्र है। वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण, गोपियों के साथ रास करते थे और इसके इर्द-गिर्द बसे गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव और बरसाना एक समृद्ध सांस्कृतिक वृत्त बनाता है, जो सावन से लेकर भादों के अंत तक भक्ति भावना में कृष्णमय बना रहता है। भादों के महीने में तो पूरा ब्रज क्षेत्र कृष्ण लीलाओं का विशाल मंच बन जाता है। मंदिर, फूलों और रोशनी से सजा विशाल मंच। जहां झांकियां निकलती हैं, रास लीलाएं होती हैं और भजन-कीर्तन तो अनवरत चलते रहते हैं। जन्माष्टमी के दौरान मथुरा-वृंदावन और पूरा ब्रज क्षेत्र आस्था, संगीत, परंपरा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का विशाल संगमस्थल बन जाता है।

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों से भक्ति गीत-संगीत का नाता रहा है। इनमें भी भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर केंद्रित या उनका बाल्य-किशोर लीलाओं के इर्द-गिर्द बड़ी संख्या में फिल्मी गीत रचे जाते रहे हैं और लोगों में भी इनके प्रति दीवानगी खूब देखने को मिलती है। बॉलीवुड में जब श्रीकृष्ण के विभिन्न नाम और उनकी लीलाओं पर आधारित गीतों का चलन आरंभ हुआ तो ये इतने लोकप्रिय हुए कि मंदिरों और पूजा-स्थलों में भी गाए-बजाए जाने लगे। बहुत लोकप्रिय हुए ये गीत: श्रीकृष्ण पर केंद्रित कई सुधमुर गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज में गाकर बहुत लोकप्रिय बना दिया। ये गीत श्रोताओं के मन को छूते हैं, आत्मा में उतरते हैं। इन गीतों को सुनकर अनायास ही मन में श्रीकृष्ण की मोहक छवियां उभरती हैं। सन 1972 में आई फिल्म 'अमर प्रेम' का गीत 'बड़ा नटखट है रे कृष्ण कन्हैया, का करे यशोदा मैया' आनंद बख्शी की कलम से निकलकर हर उस मां के लिए लोरी गीत बन गया, जो गोद में लिए बालक में बाल कृष्ण का रूप देखती हैं। 1978 की फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' का गीत 'यशोमती मैया से बोले नंदलाला, राधा क्यों गोरी में क्यों काला' में बाल कृष्ण की नटखट अदाएं इस तरह से समाहित हैं कि लगता है जैसे नंदलाला हमारे सामने ही मां को उलाहना दे रहे हैं। इसी तरह लता मंगेशकर का गाया फिल्म 'संतोष' (1989) का गीत 'बंसी वाले ने घेर लई, अकेली जो पनिया भरन में गई' ब्रज क्षेत्र के साथ ही पूरे देश में लोकगीत की तरह खूब लोकप्रिय हुआ। फिल्म 'शागिर्द' (1967) का 'कान्हा आन पड़ी मैं तेरे द्वार', 'जॉनी मेरा नाम' (1970) का 'मोसे मोरा श्याम रूठा... छुप छुप मीरा रोए, दर्द न जाने कोई' जैसे कृष्ण भक्ति के रंग में रंगे कई गीतों को लता मंगेशकर ने अपनी आवाज देकर अमर बना दिया। ये आज भी पूरे मन से सुने जाते हैं।

भक्ति-भाव से भरे कृष्ण गीत: भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति पर केंद्रित कई हिंदी फिल्मी भजन भी खूब सुने सुनाए जाते हैं। वर्ष 1952 की फिल्म 'बैजू बावरा' में मोहम्मद रफी ने अपनी धीरे-धीरे आवाज में कृष्ण को याद करते हुए 'मन तड़पत हरि दर्शन को आंज' गाया था। इसे सुनकर श्रोता आज भी संभुमध हो जाते हैं। 1957 में आई फिल्म 'मिस मेरी' का गीत 'वृंदावन का कृष्ण कन्हैया सबकी आंखों का तारा, मन ही मन क्यों जले राधिका मोहन तो है

श्रीकृष्ण का जीवन दर्शन किसी रुढ़िवादी परंपरा का नाम नहीं है, बल्कि जीवन जीने का एक व्यावहारिक और आधुनिक विज्ञान है। उनकी शिक्षाओं से जुड़ी ये बातें, आज के युवाओं को संतुलित, सफल और शांतिपूर्ण जीवन जीने की राह दिखाती है।



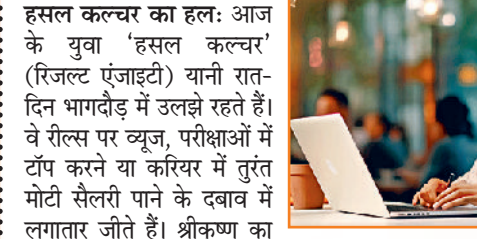
आज के युवा श्रीकृष्ण से सीखें सुकून भरी जिंदगी के सूत्र

जीवन प्रेरणा
शिखर चंद जैन

भगवान श्रीकृष्ण केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शक नहीं हैं, बल्कि वे एक कुशल मनोवैज्ञानिक, संकट प्रबंधक और लाइफ कोच भी हैं। आज की जेनरेशन यानी वह पीढ़ी जो इंटरनेट, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साए में बड़ी हो रही है, एक और अभूतपूर्व अवसरों से घिरी है, तो दूसरी ओर मानसिक तनाव, अकेलेपन, 'फोमो' (फियर ऑफ मिसिंग आउट) और बर्नआउट जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। तेज रफ्तार और तुरंत परिणाम चाहने वाली इस दौर के युवाओं के लिए हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र के मैदान में भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता का उपदेश आज और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है।

हसल कल्चर का हल: आज के युवा 'हसल कल्चर' (रिजल्ट एंजाइटी) यानी रात-दिन भागदौड़ में उलझे रहते हैं। वे रील्स पर व्यूज, परीक्षाओं में टॉप करने या करियर में तुरंत मोटी सैलरी पाने के दबाव में लगातार जीते हैं। श्रीकृष्ण का सबसे प्रसिद्ध उपदेश है, 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनः।' इसका अर्थ है कि तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने पर है, उसके फल पर नहीं। श्रीकृष्ण युवाओं को समझाते हैं कि जब हम परिणाम के बारे में बहुत अधिक सोचते हैं, तो हमारी पूरी ऊर्जा एंजाइटी में नष्ट हो जाती है और हम वर्तमान कार्य को पूरी निपुणता से नहीं कर पाते। युवाओं को परिणाम की चिंता छोड़कर अपनी पूरी ऊर्जा प्रोसेस पर लगानी चाहिए।

वैलिडेशन-ट्रोलिंग से निपटने का मंत्र: आज के युवाओं का एक बड़ा हिस्सा अपनी खुशी और आत्म-सम्मान को सोशल मीडिया के लाइक्स, कमेंट्स और फॉलोअर्स की संख्या से मापता है। इस वजह से वे जरा-सी आलोचना या 'ट्रोलिंग' से टूट जाते हैं। गीता में श्रीकृष्ण 'स्थितप्रज्ञ' होने की बात करते हैं यानी ऐसा व्यक्ति, जो सुख और दुःख, मान और अपमान, प्रशंसा और निंदा में एक समान रहता है। युवाओं को यह



समझना होगा कि दूसरों के डिजिटल कमेंट्स या ओपिनियन उनके अस्तित्व को तय नहीं करते। **पीयर प्रेशर-आइडेंटिटी क्राइसिस का समाधान:** आज के दौर में 'ट्रेंड्स' के पीछे भागने की अंधी दौड़ है। युवाओं पर दोस्ती, परिवार और समाज की उम्मीदों का इतना दबाव होता है कि वे अपनी असली पहचान खो देते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं 'श्रैयान्वधर्मा विगुणः परधर्मात्स्वनुष्ठितात।' अर्थात् दूसरों के रास्ते पर चलकर पूर्णता हासिल करने से कहीं बेहतर है कि आप अपने खुद के स्वभाव और क्षमताओं को पहचानें, भले ही उसमें शुरुआत में कुछ कमियां ही क्यों न हों। दूसरों की नकल करके डॉक्टर, इंजीनियर या इन्फ्लुएंसर बनने के बजाय युवाओं को अपनी प्रतिभा को पहचानना चाहिए और खुद के प्रति वफादार रहना चाहिए।

सिचुएशनशिप को संभालने का तरीका: आधुनिक

समय में रिश्ते बहुत जल्दी बनते और बिगड़ते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन और उनकी शिक्षाएं सिखाती हैं कि प्रेम में 'आसक्ति' यानी पंजसिक्नेस के बजाय 'अनासक्ति' और निःस्वार्थ भाव होना चाहिए। श्रीकृष्ण ने राधा से प्रेम किया, लेकिन वे जीवन भर उनके साथ नहीं रहे, उन्होंने रक्मिणी से विवाह किया और अपने राजनीतिक व सामाजिक कर्तव्यों का भी पालन किया। वे सिखाते हैं कि किसी भी व्यक्ति या परिस्थिति पर इस कदर निर्भर मत हो जाओ कि उसके बदलने पर आपका जीवन ही ठहर जाए। जीवन में आगे बढ़ना ही सच्ची परिपक्वता है।

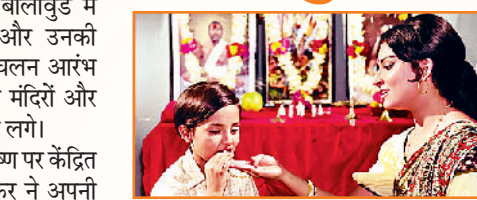
एंजाइटी पर नियंत्रण: आज की पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है ओवरथ्रिंकिंग यानी अत्यधिक सोचना। श्रीकृष्ण गीता के छठे अध्याय में कहते हैं, 'बन्धुरात्मात्मनस्तस्य येनात्मेवात्मना जितः।' यानी जिस व्यक्ति ने अपने मन को जीत लिया है, उसका मन ही उसका सबसे अच्छा मित्र है। श्रीकृष्ण युवाओं को ध्यान, आत्म-नियंत्रण और सजगता के माध्यम से अपने भूतकेंद्रित हुए विचारों को नियंत्रित करने की सलाह देते हैं ताकि वे मानसिक शांति पा सकें। इस तरह श्रीकृष्ण युवाओं के सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक हैं।

जीवन भर उनके साथ नहीं रहे, उन्होंने रक्मिणी से विवाह किया और अपने राजनीतिक व सामाजिक कर्तव्यों का भी पालन किया। वे सिखाते हैं कि किसी भी व्यक्ति या परिस्थिति पर इस कदर निर्भर मत हो जाओ कि उसके बदलने पर आपका जीवन ही ठहर जाए। जीवन में आगे बढ़ना ही सच्ची परिपक्वता है।

एंजाइटी पर नियंत्रण: आज की पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक है ओवरथ्रिंकिंग यानी अत्यधिक सोचना। श्रीकृष्ण गीता के छठे अध्याय में कहते हैं, 'बन्धुरात्मात्मनस्तस्य येनात्मेवात्मना जितः।' यानी जिस व्यक्ति ने अपने मन को जीत लिया है, उसका मन ही उसका सबसे अच्छा मित्र है। श्रीकृष्ण युवाओं को ध्यान, आत्म-नियंत्रण और सजगता के माध्यम से अपने भूतकेंद्रित हुए विचारों को नियंत्रित करने की सलाह देते हैं ताकि वे मानसिक शांति पा सकें। इस तरह श्रीकृष्ण युवाओं के सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शक हैं।

जन्माष्टमी आते ही श्रीकृष्ण की लीलाओं और कृष्ण भक्ति से जुड़े गीत खूब सुनाई पड़ने लगते हैं। हिंदी सिनेमा में भी श्रीकृष्ण की लीलाओं पर आधारित ऐसे अनेक गीत रचे गए हैं, जो हर किसी की जुबान पर चढ़े हुए हैं। ऐसे ही कुछ लोकप्रिय गीतों पर एक नजर।

कृष्ण-कन्हैया के रंग में रंगो बॉलीवुड के लोकप्रिय गीत



'अमर प्रेम' का गीत 'बड़ा नटखट है रे'



'खुदा' का गीत 'मव गया शोर सारी नगरी रे'



'ब्लाफ मास्टर' का गीत 'गोविंदा आला रे'



'सत्यम शिवम सुंदरम' का गीत 'यशोमती मैया से'

सबका प्यारा' आज भी जन्माष्टमी के अवसर पर सुना-गाया जाता है। मोहम्मद रफी की ही आवाज में फिल्म खानदान (1965) का गीत 'बड़ी देर भई नंदलाला, तेरी राह तक बुजवाला, ग्वाल-बाल इक-इक से पूछे कहाँ है मुरली वाला रे' श्रीकृष्ण पर केंद्रित सबसे लोकप्रिय गीतों में से एक है।

गोविंदा पर केंद्रित उमंग भरे गीत: कृष्ण कन्हैया पर केंद्रित गीतों की बात हो और

में भरता है बल्कि कृष्ण की लीलाओं का इस तरह से बखान करता है कि मन में कन्हैया की शैतानियां हिलोरे लेने लगती हैं। ये गीत आज भी होली-जन्माष्टमी जैसे उत्सवों पर बजाए जाते हैं।

ऐसे ही 'ब्लाफ मास्टर' (1963) का गीत 'गोविंदा आला रे आला', 'ओह माइ गॉड' (2012) का 'गो गो गोविंदा', 'किसना : द वॉरर ओ पोएट' (2005) का 'वो किसना है' जैसे गीत भी खूब पॉपुलर हुए थे।

गोविंदा पर केंद्रित उमंग भरे गीत: कृष्ण कन्हैया पर केंद्रित गीतों की बात हो और

'मटकी और गोविंदा' का जिक्र न हो, ऐसा कैसे हो सकता है भला। फिल्म 'बदला' (1974) में किशोर कुमार का गाया गीत 'शोर मच गया शोर, देखो आया माखन चोर', 'खुदा' (1982) का 'मच गया शोर सारी नगरी रे, आया बिरज का बांका संभाल तेरी गगरी रे' युवाओं को न सिर्फ जोश

आज भी सुना जाता है। ऐसे ही 'हम साथ साथ हैं' (1999) का 'मैया यशोदा ये तेरा कन्हैया', लगान (2001) का 'राधा कैसे न जले' जैसे गीत आज भी लोकप्रिय हैं।

श्रीकृष्ण पर केंद्रित लोकप्रिय फिल्मी गीतों के अतिरिक्त भजन गायकों और लोकगायकों द्वारा गाए कुछ गीत भी बहुत पॉपुलर हुए हैं। उदाहरण के तौर पर 'अरे झरपालों कन्हैया से कह दो', 'छोटी-छोटी मैया, छोटे-छोटे ग्वाल', हाथी घोड़ा पालकी जय कन्हैया लाल की', अच्युतम केशवम कृष्ण दामोदरम, 'राधे राधे जपो चले आरों बिहारी' जैसे गीतों का जिक्र किया जा सकता है। ये ऐसे गीत हैं जो घर-घर में और मंदिरों में खूब सुने-सुनाए जाते हैं।

फिल्म 'लगान' का गीत 'राधा कैसे न जले'

श्रीकृष्ण पर केंद्रित गैर फिल्मी गीत भी हुए लोकप्रिय